एक्सआईएसएस में कंप्लीट वेडिंग सॉल्यूशन बिजनेस प्लान को किया गया सम्मानित

रांची. एक्सआईएसएस रांची में एंटरप्रेन्योरशिप और सोशल एंटरप्रेन्योरशिप के लिए उद्यमिता के लिए सर्वश्रेष्ठ बिजनेस प्लान वाले स्टूडेंट्स को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार निशा उरांव, कॉलेज के निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजुर, डीन एकेडमिक्स डॉ. अमर ई तिग्गा आदि उपस्थित रहे। छात्रों ने व्यावसायिक योजना तैयार किए, जिसमें विभिन्न एप्स का उपयोग करके तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ-साथ पेपर बैग, सौंदर्य प्रसाधन, स्वास्थ्य सेवाएं, सूअर पालन के रूप में कृषि व्यवसाय और ताजी सब्जी की बिक्री आदि शामिल रहे। निशा उरांव ने संबोधित करते हुए कहा कि नवाचारों को वास्तविकता में बदलें क्योंकि आप न केवल अपने बल्कि लोगों और समाज के सपनों को भी पूरा कर रहे हैं। उद्यमियों को रचनात्मक और ऊर्जावान होना चाहिए और समाधान प्रदाता बनने का प्रयास करना चाहिए।

PRESS: DAINIK BHASKAR

दवा की तरह लें सामाजिक बदलाव की जिम्मेवारी : निशा

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

सही समय पर सही अवसर की पहचान करनेवाले सफल उद्यमी बन सकते हैं. इसके लिए लक्ष्य निर्धारण के साथ समय की मांग पर काम करना होगा. उद्यमियों को सामाजिक बदलाव की जिम्मेवारी दवा की तरह लेनी होगी. इससे वे बिना थके सफलता की राह पर आगे बढ़ सकते हैं. ये बातें कृषि विभाग की निदेशक निशा उरांव सिंहमार ने एक्सआइएसएस में कहीं. वह शनिवार को संस्था में चुने गये बेस्ट बिजनेस प्लान के विजेताओं को सम्मानित कर रही थीं. उन्होंने भावी उद्यमियों के बिजनेस प्लान को सुना और परस्पर सलाह भी दिये. विद्यार्थियों को इंटरप्रेन्योर बनने के साथ-साथ इंट्राप्रेन्योर बनने की बात कही.

तीन बिजनेस प्लान को मिला अवार्ड

एक्सआइएसएस के विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों के बीच फादर अशोक एक्का के नेतृत्व में बेस्ट बिजनेस प्लान प्रतियोगिता हुई. 100 इंट्री में श्रेष्ठ तीन का बिजनेस प्लान के लिए विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. इसमें छात्र ऋषभ अंकित ने स्थानीय सब्जीविक्रेताओं के लिए 'वेजीमील', जॉस्मिन बॉनेर ने मैच मेकिंग से लेकर इवेंट आयोजन के लिए 'ड्रीम वेडिंग कंसल्टेंसी' और रीनि शालिनी लिंडा व कुमारी मधुरी ने बाजार में एलोवेरा की खपत पर व्यावसायिक योजना साझा कर पुरस्कार जीता.

उद्यमिता को बढ़ावा देकर देश को सुपरपावर बनायें

मार्केटिंग मैनेजमेंट के प्रो भवानी महापात्रा ने विद्यार्थियों को उद्यमिता के क्षेत्र में बदलते परिवेश की जानकारी दी. बताया कि समय के साथ ट्रेड क्रेडिट यानी कंपनी के विकास के लिए दूसरे उद्यमी एक-दूसरे को सहयोग राशि उपलब्ध करा रहे हैं. इससे एक-दूसरे का समन्वय व्यवसाय के साथ आर्थिक विकास में सहयोगी सिद्ध हो रहा है. यह उद्यमियों को बैंक क्रेडिट जो, उद्यमियों के लिए बोझ की तरह से छुटकारा दिलाने में कारगर है. निदेशक डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर ने विद्यार्थियों को नवीन व रचनात्मक सोच के साथ सफल उद्यमी बनने की प्रेरणा दी.

PRESS: PRABHAT KHABAR

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) में उद्यमिता और सामाजिक उद्यमिता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक योजनाओं वाले छात्रों के लिए प्रमाण-पत्र सम्मान समारोह का आयोजन शनिवार को किया गया था। छात्रों ने व्यावसायिक योजनाओं को लिखने की कवायद में भाग लिया, जिसमें विभिन्न एप का उपयोग कर तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ-साथ पेपर बैग, सौंदर्य प्रसाधन, स्वास्थ्य सेवाएं, सुअर पालन के रूप में कृषि व्यवसाय और ताजी सब्जी की बिक्री आदि नवाचार शामिल थे।

कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग, झारखंड सरकार की निदेशक निशा उरांव सिंघमार, कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थीं। उन्होंने कहा कि अपने नवाचारों को वास्तविकता में बदलें, क्योंकि आप न सिर्फ अपने बल्कि लोगों और समाज के सपनों को भी पूरा कर रहे हैं।

PRESS: HINDUSTAN

Students with Best Business Plans felicitated at XISS

PNS ■ RANCHI

A certificate felicitation ceremony for the Best Business Plans to Students of Entrepreneurship and Social Entrepreneurship of Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, was organized in the campus on Saturday. Entrepreneurship is taught in Programmes of Rural Management, Human Resource Management, Marketing Management and Financial Management in XISS. Writing a business plan under the curricula is an important exercise in view of becoming an entrepreneur or social entrepreneur. The students participated in the exercise of writing business plans that included selling paper bags, cosmetics, health services, agribusiness as piggery, selling fresh vegetable, together with providing tech solution using various apps.

Director Agriculture, Nesha Oraon Singhmar hands over a certificate to a student at XISS in Ranchi on Saturday. Director, XISS, Dr Joseph Marianus Kujur also seen in the picture. PNS

Nesha Oraon Singhmarr, Director, Department of Agriculture, Animal Husbandry and Co-operative, felicitated the students during the event and addressed them saying, "Turn your innovations into reality because you are not just fulfilling your dreams but of people and society as well. There might be occasions when you face difficulties, then change your plans not your goals. Entrepreneurs should be creative and energetic and should try to become solution providers."

More than 100 students prepared the business plans under the curricula and of which the top three best ones were selected for felicitation. From Marketing Management Programme, Sagun Soren shared business idea on Piggery, Rishav Ankit shared his plan on 'Vegimall' - a mall for local vegetables, while Josephin Voller shared her plan of Dorine Wedding Ceremony, a complete wedding solution provider. From the Programme of Rural Management, Riti Shalini Tiru, Kumari Mayuri shared her business plan on starting an initiative on Aloevera consumption in the market and Gunjan Jain discussed the idea of opening a bakery. Prashant Kumar, Abhinav Kumar Shrivastava and Neha from the Information Technology Programme also shared their ideas.

In Social Entrepreneurship, students of Rural Management Programme, Priti Kumari discussed her plan on increasing education in Tatisilwai region, while Tanya Baran shared water conservation plan in Jamshedpur and Mary Munda highlighted ideas to curb alcoholism respectively.

Earlier, Dr Ashok Ohol, Assistant Professor introduced the event and said, "XISS is keen on preparing job givers keeping in accordance with Institute's vision and mission rather than only job seekers. Entrepreneurship begins with the process of conceptualising ideas and rigorous exercises in creative imagination, creative thinking and mind mapping. We wish to create more such opportunities for them in future as well."

Wishing the students during the event, Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS said, "This is a paradigm shift in the concept of entrepreneurship.

PRESS: PIONEER

XISS Ranchi felicitates students for best business plans

by Lagatar News — 23/04/2022

PRESS: LAGATAR 24

एन्टरप्रेन्योर्स को क्रिएटिव,एनरजेटिक व सोल्यूशन प्रोवाइडर होना चाहिए : निशा उरांव सिंघमार

एक्सआइएसएस में एन्टरप्रेन्योरशिप तथा सोशल एन्टरप्रेन्योरशिप में बेस्ट बिजनेस प्लान देने वाले स्टूडेंट्स का सम्मान समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डॉ कामिल बुल्के पथ स्थित एक्सआईसएस में शनिवार को एंटरप्रेन्योरशिप तथा सोशल एन्टरप्रेन्योरशिप में बेस्ट बिजनेस प्लान देने वाले स्टूडेंट्स को संस्थान ने सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। आईआरएस निशा उरांव सिंघमार, डायरेक्टर एग्रीकलचर, एनिमल हसबेंडरी तथा कोऑपरेटिव झारखंड सरकार कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। बताते चलें कि एक्सआईएसएस में रुरल मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मार्केटिंग मैनेजमेंट, फायनान्स मैनेजमेंट के प्रोग्राम में एन्टरप्रेन्योरशिप अर्थात उद्यमिता के बारे पढ़ाया जाता है। इसके तहत एन्टरप्रेन्योर (उद्यमी) या सोशल एन्टरप्रेन्योर (सामाजिक उद्‍यमी) बनने के उद्‍देश्य से बिजनेस प्लान लिखना पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अभ्यास है। उसे ही ध्यान में रख संस्थान के स्टूडेंट्स ने बिजनेस योजनाओं को लिखने में हिस्सा लिया । इसके लिए उन्होंने विभिन्न ऐप का उपयोग कर तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ साथ पेपर बैग, सौंदर्य प्रसाधन, स्वास्थ्य सेवाएं, सुअर पालन के रुप में कृषि व्यवसाय और ताजी सब्जी की बिक्री आदि शामिल थे। मुख्य अतिथि आईआरएस निशा उरांव सिंघमार, डायरेक्टर एग्रीकलचर, एनिमल हसबेंडरी तथा कोऑपरेटिव झारखंड सरकार ने इस सम्मान समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने इनोवेशन्स (नवाचारों) को वास्तविकता में बदलें क्योंकि आप सिर्फ अपने व्यक्तिगत ही नहीं बल्कि लोगों के तथा समाज के सपनों को भी पूरा कर रहे है। इसमें एसे मौके या परिस्थितियां हो सकती है जब अपको मुश्किलों का सामना करना पड़े तब अपनी योजनाओं को बदलें, अपने लक्ष्यों को नहीं।

उन्होंने कहा कि एन्टरप्रेन्योर्स (उद्यमियों) को क्रिएटिव एंड एनर्जेटिक (रचनात्मक व उर्जावान) होना चाहिए तथा उसे समाधान देने वाला बनने का प्रयास करना चाहिए। पाठ्यक्रम के तहत 100 से अधिक छात्रों ने बिजनेस प्लान तैयार किया, जिसमें बेस्ट तीन को जिनमें मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम से सगुन सोरेन ने सूअर पालन पर बिजनेस आइडिया साझा किया। ऋषभ अंकित ने स्थानीय सब्जियों के लिए एक मॉल'वेजिमॉल' पर अपनी योजना स्पष्ट की। जबकि सुश्री जोसफिन खेलर ने एक संपूर्ण विवाह समाधान प्रदाता, डोरिनवेडिंग समारोह को अपनी योजना से रु-ब-रू कराया। आरएम प्रोग्राम (ग्रामीण प्रबंधन) कार्यक्रम से रीति शालिनी तिरु, कुमारी मयूरी ने बाजार में एलोवेरा की खपत पर एक पहल शुरू करने की अपनी व्यावसायिक योजना साझा की। सुश्री गुंजन जैन ने एक बेकरी के विचार पर चर्चा की। आईटी प्रोग्राम से प्रशांत कुमार, अभिनव कुमार श्रीवास्तव और नेहा ने भी भागीदारी दी। रुरल मैनेजमेंट प्रोग्राम से सामाजिक उद्यमिता में प्रीति कुमारी ने टाटीसिलवे क्षेत्र में शिक्षा बढ़ाने की अपनी योजना पर चर्चा की। जबकि तान्याबरन ने जमशेदपुर में जल संरक्षण योजना साझा की और मेरी मुंडा ने शराब पर अंकुश लगाने के विचारों पर प्रकाश डाला।

इससे पूर्व प्रोफेसर डॉ अशोक ओहोल एसजे ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि एक्सआईएसएस केवल नौकरी चाहने वालों के बजाय संस्थान के विजन और मिशन के अनुसार नौकरी देने वालों को तैयार करने के लिए उत्सुक है। उद्यमिता की शुरूआत रचनात्मक कल्पना, रचनात्मक सोच और माइंडमैपिंग में विचारों की अवधारणा और कठोर अभ्यास की प्रक्रिया से होती है। हम भविष्य में भी उनके लिए इस तरह के और अवसर पैदा करना चाहते हैं। एक्सआईएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कार्यक्रम के दौरान छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल एन्टरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) के कॉन्सेप्ट में एक आदर्श बदलाव है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ नकारात्मक उर्जा को सकारात्मक समाधान में बदलने के साथ-साथ इनोवेशन व क्रिएटिविटी आदि बडिंडग एन्टरप्रेन्योर्स मूल मंत्र है। इसके साथ ही डॉ कुजूर ने छात्रों को जीवन में प्रगति करने तथा समाज में बदलाव लाने की शुभकामनाएं दी। एक्सआईएसएस के एकेडमिक डीन डॉ अमर ई तिग्गा ने संस्थान के पूर्व छात्रों के बीच उद्यमिता परिदृश्य को साझा किया, जबकि डॉ बीपी महापात्रा ने मौजूदा संदर्भ में उद्यमिता के महत्त्व पर चर्चा की। संस्थान के ईडीपी सेल के हरप्रीत सिंह अहलुवालिया ने कौशल विकासः उद्यमिता का आधार पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान डॉ बिनीत लकड़ा, डॉ अराना कौसर और सभी कार्यक्रमों के प्रमुख और फैकल्टी भी उपस्थित थे।

PRESS: KHABAR MANTRA

एन्टरप्रेन्योर्स को क्रिएटिव,एनरजेटिक व सोल्यूशन प्रोवाइडर होना चाहिए : निशा उरांव सिंघमार

एक्सआइएसएस में एन्टरप्रेन्योरशिप तथा सोशल एन्टरप्रेन्योरशिप में बेस्ट बिजनेस प्लान देने वाले स्टूडेंट्स का सम्मान समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डॉ कामिल बुल्के पथ स्थित एक्सआईएसएस में शनिवार को एंटरप्रेन्योरशिप तथा सोशल एन्टरप्रेन्योरशिप में बेस्ट बिजनेस प्लान देने वाले स्टूडेंट्स को संस्थान ने सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। आईआरएस निशा उरांव सिंघमार, डायरेक्टर एग्रीकलचर, एनिमल हसबेंडरी तथा कोऑपरेटिव झारखंड सरकार कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। बताते चलें कि एक्सआईएसएस में रुरल मैनेजमेंट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मार्केटिंग मैनेजमेंट, फायनान्स मैनेजमेंट के प्रोग्राम में एन्टरप्रेन्योरशिप अर्थात उद्यमिता के बारे पढ़ाया जाता है। इसके तहत एन्टरप्रेन्योर (उद्यमी) या सोशल एन्टरप्रेन्योर (सामाजिक उद्यमी) बनने के उद्देश्य से बिजनेस प्लान लिखना पाठ्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अभ्यास है। उसे ही ध्यान में रख संस्थान के स्टूडेंट्स ने बिजनेस योजनाओं को लिखने में हिस्सा लिया । इसके लिए उन्होंने विभिन्न ऐप का उपयोग कर तकनीकी समाधान प्रदान करने के साथ साथ पेपर बैग, सौंदर्य प्रसाधन, स्वास्थ्य सेवाएं, सुअर पालन के रुप में कृषि व्यवसाय और ताजी सब्जी की बिक्री आदि शामिल थे। मुख्य अतिथि आईआरएस निशा उरांव सिंघमार, डायरेक्टर एग्रीकलचर, एनिमल हसबेंडरी तथा कोऑपरेटिव झारखंड सरकार ने इस सम्मान समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने इनोवेशन्स (नवाचारों) को वास्तविकता में बदलें क्योंकि आप सिर्फ अपने व्यक्तिगत ही नहीं बल्कि लोगों के तथा समाज के सपनों को भी पूरा कर रहे है। इसमें एसे मौके या परिस्थितियां हो सकती है जब अपको मुश्किलों का सामना करना पड़े तब अपनी योजनाओं को बदलें, अपने लक्ष्यों को नहीं।

उन्होंने कहा कि एन्टरप्रेन्योर्स (उद्यमियों) को क्रिएटिव एंड एनर्जेटिक (रचनात्मक व उर्जावान) होना चाहिए तथा उसे समाधान देने वाला बनने का प्रयास करना चाहिए। पाठ्यक्रम के तहत 100 से अधिक छात्रों ने बिजनेस प्लान तैयार किया, जिसमें बेस्ट तीन को जिनमें मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम से सगुन सोरेन ने सुअर पालन पर बिजनेस आईडिया साझा किया। ऋषभ अंकित ने स्थानीय सब्जियों के लिए एक मॉल'वेजिमॉल' पर अपनी योजना स्पष्ट की। जबकि सुश्री जोसफिन वोलार ने एक संपूर्ण विवाह समाधान प्रदाता, डेस्टिनवेडिंग समारोह की अपनी योजना से रु-ब-रु कराया। आरएम प्रोग्राम (ग्रामीण प्रबंधन) कार्यक्रम से रीति शालिनी तिरु, कुमारी मयूरी ने बाजार में एलोवेरा की खपत पर एक पहल शुरू करने की अपनी व्यावसायिक योजना साझा की। सुश्री गुंजन जैन ने एक बेकरी के विचार पर चर्चा की। आईटी प्रोग्राम से प्रशांत कुमार, अभिनव कुमार श्रीवास्तव और नेहा ने भी भागीदारी दी। रुरल मैनेजमेंट प्रोग्राम से सामाजिक उद्यमिता में प्रीति कुमारी ने टाटीसिलवे क्षेत्र में शिक्षा बढ़ाने की अपनी योजना पर चर्चा की। जबकि तान्याबरन ने जमशेदपुर में जल संरक्षण योजना साझा की और मेरी मुंडा ने शराब पर अंकुश लगाने के विचारों पर प्रकाश डाला।

इससे पूर्व प्रोफेसर डॉ अशोक ओहोल एसजे ने कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए कहा कि एक्सआईएसएस केवल नौकरी चाहने वालों के बजाय संस्थान के विजन और मिशन के अनुसार नौकरी देने वालों को तैयार करने के लिए उत्सुक है। उद्यमिता की शुरूआत रचनात्मक कल्पना, रचनात्मक सोच और माइंडमैपिंग में विचारों की अवधारणा और कठोर अभ्यास की प्रक्रिया से होती है। हम भविष्य में भी उनके लिए इस तरह के और अवसर पैदा करना चाहते हैं। एक्सआईएसएस के डायरेक्टर डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कार्यक्रम के दौरान छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह पहल एन्टरप्रेन्योरशिप (उद्यमिता) के कॉन्सेप्ट में एक आदर्श बदलाव है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक सोच के साथ नकारात्मक उर्जा को सकारात्मक समाधान में बदलने के साथ-साथ इनोवेशन व क्रिएटिविटी आदि बडिंग एन्टरप्रेन्योर्स मूल मंत्र है। इसके साथ ही डॉ कुजूर ने छात्रों को जीवन में प्रगति करने तथा समाज में बदलाव लाने की शुभकामनाएं दी। एक्सआईएसएस के एकेडमिक डीन डॉ अमर ई तिग्गा ने संस्थान के पूर्व छात्रों के बीच उद्यमिता परिदृश्य को साझा किया, जबकि डॉ बीपी महापात्रा ने मौजूदा संदर्भ में उद्यमिता के महत्व पर चर्चा की। संस्थान के ईडीपी सेल के हरप्रीत सिंह अहलुवालिया ने कौशल विकासः उद्यमिता का आधार पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान डॉ बिनीत लकड़ा, डॉ अराना कौसर और सभी कार्यक्रमों के प्रमुख और फैकल्टी भी उपस्थित थे।

PRESS: CITY BHASKAR

निर्देश पर चलाये गये अभियान के दुकान के अंदर रखें। क्षण था। अनवरत जारी रहेगी। मौके पर स्वास्थ्य हेतु आसपास का अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

उद्यमिता और सामाजिक उद्यमिता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक योजनाओं वाले छात्रों को किया गया एक्सआईएसएस में सम्मानित

सपने पूरा करने के लिए अपने विचारों को वास्तविकता में बदले : निशा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची में उद्यमिता और सामाजिक उद्यमिता के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यावसायिक योजनाओं वाले छात्रों के लिए प्रमाण-पत्र सम्मान समारोह शनिवार को संस्थान परिसर में आयोजित किया गया था। श्रीमती निशा उरांव सिंघमार, आईआरएस और निदेशक, कृषि, पशुपालन और सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार ने कार्यक्रम के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, अपने नवाचारों को वास्तविकता में बदलें क्योंकि आप न केवल अपने बल्कि लोगों और समाज के सपनों को भी पूरा कर रहे हैं। ऐसे मौके आ सकते हैं जब आपको मुश्किलों का सामना करना पड़े, तब अपनी योजनाओं को बदलें, अपने लक्ष्यों को नहीं। उद्यमियों को रचनात्मक और ऊर्जावान होना चाहिए और समाधान प्रदाता बनने का प्रयास करना चाहिए।

पाठ्यक्रम के तहत 100 से अधिक छात्रों ने बिजनेस प्लान तैयार किया जिसमें बेस्ट तीन को सम्मानित किया गया। मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम से श्री सगुन सोरेन ने सूअर पालन पर बिजनेस आइडिया साझा किया, श्री उत्सव अंकित ने स्थानीय सब्जियों के लिए एक मॉल 'वेजिमॉल' पर अपनी योजना साझा की, जबकि सुश्री जोसफिन बोदरा ने एक संपूर्ण विवाह समाधान प्रदाता, डॉरिन वेडिंग समारोह की अपनी योजना साझा की। ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम से, सुश्री रीति शालिनी तिरु, सुश्री कुमारी मयूरी ने बाजार में एलोवेरा की खपत पर एक चाल शुरू करने की अपनी व्यावसायिक योजना साझा की और सुश्री गुंजन जैन ने एक बेकरी के विचार पर चर्चा की। सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम से श्री प्रशांत कुमार, श्री अभिनव कुमार श्रीवास्तव और सुश्री नेहा ने भी भागीदारी दी।

ग्रामीण प्रबंधन कार्यक्रम से सामाजिक उद्यमिता में, सुश्री प्रीति कुमारी ने टाटीसिलवे क्षेत्र में शिक्षा बढ़ाने की अपनी योजना पर चर्चा की, जबकि सुश्री तान्या बरन ने

जमशेदपुर में जल संरक्षण योजना साझा की और सुश्री मैरी मुंडा ने शराब पर अंकुश लगाने के विचारों पर प्रकाश डाला।

इससे पहले, सहायक प्रोफेसर, डॉ अशोक ओहोल एसजे ने कार्यक्रम की शुरुआत की और कहा, एक्सआईएसएस केवल नौकरी चाहने वालों के बजाय संस्थान के विजन और मिशन के अनुसार नौकरी देने वालों को तैयार करने के लिए उत्सुक है। उद्यमिता की शुरुआत रचनात्मक कल्पना, रचनात्मक सोच और माइंड मैपिंग में विचारों की

छात्रों के बीच उद्यमिता परिदृश्य को साझा किया

कार्यक्रम के दौरान, डीन एकेडमिक्स, डॉ अमर ई तिग्गा ने संस्थान के पूर्व छात्रों के बीच उद्यमिता परिदृश्य को साझा किया, जबकि डॉ बीबी महापात्रा ने आज के संदर्भ में उद्यमिता के महत्व पर चर्चा की और श्री हरप्रीत सिंह, ईडीपी सेल ने कौशल विकास: उद्यमिता का आधार पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के दौरान डॉ विनीत लकड़ा, डॉ अराना कौसर और सभी कार्यक्रमों के प्रमुख और फैकल्टी भी उपस्थित थे।

झारखंड के ग्रामीण आदिवासी युवाओं के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के प्रमुख उद्देश्य के साथ, 1974 में एक्सआईएसएस, रांची में उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) की स्थापना की गई थी। ईडीपी सेल ने अब तक लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई), गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ), सरकारी संगठनों, स्कूलों और कॉलेजों के लिए कार्यक्रम आयोजित किए हैं। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों में बदलाव लाने के लिए, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बनाने और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए, एक्सआईएसएस, रांची ने एक व्यवसाय में उद्यम करने के इच्छुक लोगों की मदद और पहल करने के उद्देश्य से उद्यमिता में एक पाठ्यक्रम शुरू किया है।

अवधारणा और कठोर अभ्यास की प्रक्रिया से होती है। हम भविष्य में भी उनके लिए इस तरह के और अवसर पैदा करना चाहते हैं। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को बधाई देते हुए, एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जोसेफ मरियानुस कुजूर एसजे ने कहा, यह प्रयास उद्यमिता की अवधारणा में एक आदर्श बदलाव है। इन नवोदित उद्यमियों के लिए सकारात्मक सोच और नकारात्मक ऊर्जा को सकारात्मक समाधान के साथ-साथ नवाचार और रचनात्मकता में परिवर्तित करना महत्वपूर्ण है। मैं उन्हें जीवन में प्रगति और समाज में बदलाव लाने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

PRESS: RASHTRIYA NAVEEN MAIL